**भारत सरकार**

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि एवं सहकारिता विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 1089**

**23 मार्च, 2012 को उत्‍तरार्थ**

**विषय: गुजरात में कपास की उत्‍कृष्‍टता के लिए केन्‍द्र की स्‍थापना**

**1089 श्री नतुजी हालाजी ठाकोर:**

**श्री कांजीभाई पटेल:**

क्‍या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्‍या देश में एक तिहाई से अधिक कपास का उत्‍पादन गुजरात में होता है;

(ख) यदि हां, तो सरकार देश में विशेषकर गुजरात में अच्‍छे कपास का व्‍यवसाय शुरु करने के लिए क्‍या प्रयास कर रही है;

(ग) अगले पांच वर्षों के दौरान देश में कपास का उत्‍पादन बढ़ाने के लिए सरकार की क्‍या संकल्‍पना है;

(घ) कपास उत्‍पादन के लिए सरकार से किस प्रकार का प्रौद्योगिकीय, वित्‍तीय और संस्‍थागत सहायता प्राप्‍त हो रही है; और

(ड.) क्‍या सरकार कपास का उत्‍पादन बढाने के लिए गुजरात में कपास उत्‍कृष्‍टता केन्‍द्र (सी.सी.ई.) की स्‍थापना को मंजूरी देगी ?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (डॉं. चरण दास महन्‍त)**

**(क):** गुजरात में कुल कपास उत्‍पादन प्रत्‍येक 170 कि.ग्रा. की 104.00 लाख गांठ था, जो कि 2010-11 के दौरान देश के कुल कपास उत्‍पादन (प्रत्‍येक 170 कि.ग्रा. की 330.00 लाख गांठें) का लगभग 31.50% है ।

**(ख) से (घ):** सरकार पहले ही कपास प्रौद्योगिकी मिशन (टीएमसी) कार्यान्‍वित कर रही है जिसके अंतर्गत, देश में कपास उत्‍पादन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकीय, वित्‍तीय तथा संस्‍थागत सहायता मुहैया कराई जा रही है । टीएमसी के मिनी मिशन-II जिसका कार्यान्‍वयन कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा किया जा रहा है के अधीन किसानों को बीजों, कृषि उपकरणों, जल-बचत युक्‍तियों, बायो एजेंटों/जैव-नाशकजीवमारों, समेकित नाशकजीव प्रबंधन, प्रदर्शनों के माध्‍यम से फसल उत्‍पादन व पादप संरक्षण प्रौद्योगिकी के अंतरण और कृषक फील्‍ड स्‍कूलों के अंतर्गत किसानों के प्रशिक्षण आदि पर सहायता मुहैया कराई जा रही है ताकि गुजरात सहित देश में अच्‍छी कपास पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा सके जिससे देश में कपास उत्‍पादकता और उत्‍पादन और अधिक बढ़ेंगे । XI वीं योजना के अंतर्गत अनुसंधान के लिए डेयर द्वारा मिनी मिशन-I के तहत 26.44 करोड़ रू0 की धनराशि आवंटित की गई है तथा गुजरात सहित देश में कपास विकास के लिए कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा मिनी मिशन-II के तहत 207.19 करोड़ रू0 (केन्‍द्रीय अंश) निर्मुक्‍त किए गए हैं ।

**(ड.):** गुजरात में कपास उत्‍पादन बढ़ाने के लिए, आईसीएआर के केन्‍द्रीय कपास अनुसंधान संस्‍थान (सीआईसीआर), नागपुर तथा अखिल भारत समन्‍वित कपास सुधार परियोजना (एआईसीसीआईपी) नवसारी कृषि विश्‍वविद्यालय और जूनागढ़ कृषि विद्यालय के माध्‍यम से कपास में आधारिक रणनीतिक, प्रयुक्‍त अनुसंधान एवं विकास कार्यकलाप आयोजित कर रहे हैं । इसके अलावा, कृषि विज्ञान केन्‍द्र राज्‍य में वैज्ञानिक कपास उत्‍पादन प्रौद्योगिकियों का प्रसार कर रहा है ।

---------